

21.04.25

पत्रावली पेश। उभय पक्ष अधिवक्ता उप।
प्रतिवादी सं. 1 व 2 जवाब देना नहीं
चाहते, अतः इनका जवाब बंद किया
जाता है। उभय पक्षकारान अधिवक्ता द्वारा
बहस की गई। प्रार्थी अधिवक्ता द्वारा
18.07.2023 के आदेशिका में वर्णित तथ्यों
को पुनः दोहराते हुये मूल वाद के
निस्तारण तक अस्थाई निषेधाज्ञा जारी
करने का निवेदन किया। अप्रार्थीगण
अधिवक्ता द्वारा बहस में कथन किया
की प्रार्थीगण द्वारा अप्रार्थीगण को हारान
व परेशान की नियत से प्रार्थना पत्र
पेश किया, जो मय खर्चा खारीज फरमाते।

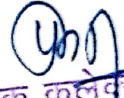
हमने पत्रावली का मली भांति
अवलोकन किया। बहस के तथ्यों पर
पतन किया गया। प्रथम दृष्टया, सुविधा
का संतुलन एवं अप्रार्थीगण शक्ति तीनों
मूलभूत कानूनी स्तम्भ प्रार्थीगण के पक्ष
में होने से प्रार्थी का प्रार्थना पत्र
स्वीकार योग्य होने से स्वीकार किया
जाता है।

अतः प्रार्थीगण के पक्ष में
तथा अप्रार्थीगण के निरुद्ध मूल वाद
के निस्तारण तक इस आशय की
अस्थाई निषेधाज्ञा जारी की जाती है।



पञ्जाब अधिवक्ता
O. P. O.

मौजा पांचला, पटवार हल्का पांचला
में प्राचीन की पैतृक कब्जा काबत
की खातेदारी खेत खसरा सं. 760,
985/765, 1102/765, 764 का अप्राचीन
राजस्व रेकॉर्ड व मीठे की यथास्थिति
बनाये रखे। पत्रावली फैमल शुभार होकर
नंबर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो।


सहायक कलेक्टर, सांचौर
(उपखण्ड अधिकारी, सांचौर)